आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-18, भोपाल, सोमवार, 29 मई से 4 जून 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

सत्ता, सेक्स और खूनी सियासत के भंवर में फंसी भंवरी ने ला दिया था भूचाल

जयपुर। राजस्थान के चर्चित भंवरी देवी हत्याकांड में एटीएस ने इंदिरा बिश्नोई को मध्य प्रदेश के देवास से गिरफ्तार कर लिया गया. इंदिरा बिश्नोई इस हत्याकांड के आरोपी पूर्व कांग्रेस विधायक मलखान सिंह की बहन है. सीबीआई को इंदिरा की काफी समय से तलाश थी. इंदिरा की सूचना देने वाले को पांच लाख रुपये इनाम दिए जाने की घोषणा की गई थी. साल 2011 में सेक्स, सीडी और खूनी सियासत में सिमटा भंवरी देवी हत्याकांड सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा था. आइए जानते हैं कब-क्या हुआ था...

एक नर्स ने कहा कि उसके पास एक सीडी है. ऐसी सीडी जिसमें एक कैबिनेट मंत्री और एक विधायक की नंगी करतूत कैद है. यदि यह सीडी आम हो गई तो तीन दिन के अंदर राज्य की सरकार गिर जाएगी. लेकिन, ये क्या इससे पहले कि वह सीडी आम होती खुद नर्स ही गायब हो गई. जी हां, यह कहानी है भंवरी देवी कि जिसने राजस्थान के सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया था. जिसके एक बयान ने तूफान लाया, तो उसकी गायब होने की खबर पूरे देश में देखते ही देखते सुर्खियां बन गईं.

जानिए, कौन थी भंवरी देवी : भंवरी देवी का ताल्लुक राजस्थान की नट बिरादरी से था. वह जोधपुर के नजदीक पैनन कस्बे के एक सरकारी अस्पताल में बतौर नर्स काम करती थी. उसकी शादी भी हो चुकी थी. पर मॉडलिंग और राजस्थानी एल्बम को सीढ़ी बना कर वह राजस्थानी फिल्मों की हीरोईन बनने का सपना पाले बैठी थी. लिहाजा अपने इस ख्वाब को पूरा करने के लिए वह कुछ भी कर सकती थी. गांव के अस्पताल में ले देकर एक ही वही नर्स थी और वो भी ड्यूटी से गायब रहती थी. लिहाजा गांव वालों की शिकायत पर भंवरी देवी को नौकरी से सस्पेंड कर दिया गया था.

किया सरकार गिराने का दावा : भंवरी देवी ने ऐलान किया था कि उसके पास एक सीडी है. जिसके बाहर आ जाने पर राजस्थान की सरकार तीन दिन में गिर जाएगी. आखिर क्या था उस सीडी में कि देश की एक राज्य सरकार को गिराने की धमकी दी जा रही थी? ऐसा क्या था उस सीक्रेट सीडी में कि नेताओं के हाथ-पांव फूलने लगे थे? और ऐसा भी क्या था कि जिसके पास सीडी थी वही गायब हो गई? भंवरी देवी की नौकरी जा चुकी थी. लेकिन उसकी खूबसूरती के चर्चे जोधपुर से जयपुर तक होने लगे थे. वह नौकरी बचाने के लिए इलाके के विधायक मलखान सिंह के पास गई.

मलखान, महिपाल और भंवरी : मलखान सिंह उसे जल संसाधन मंत्री महिपाल मदेरणा के पास ले गए. फिर दोनों ने कलेक्टर से भंवरी देवी की सिफारिश की. सिफारिश रंग लाई और भंवरी देवी का निलंबन ना सिर्फ रद्द हुआ बल्कि उसे नई पोस्टिंग अपने घर के और नजदीक जालीवाड़ा के सरकारी अस्पताल में मिल गई. भंवरी देवी, मलखान सिंह और महिपाल की नजरों में चढ़ चुकी थी. वक्त के साथ-साथ वह इन दोनों की करीबी हो गई. दोनों नेताओं से मिलने के बाद भंवरी को सत्ता की ताकत का अहसास हो चुका था. मलखान और मदेरणा की वजह से उसका नेटवर्क बढ़ने लगा.

सत्ता, सेक्स और साजिश : भंवरी की मुलाकात धीरे-धीरे बाकी नेताओं से भी हो गई. देखते ही देखते मामूली तनख्वाह पाने वाली भंवरी की जिंदगी पूरी तरह बदल गई. उसने नया घर बनाया. नई कार खरीदी. बेटे-बेटी का दाखिला नामी स्कूलों में कराया. यह सुनने में चाहे कितना ही अजीब क्यों न लगे. लेकिन इनमें हमेशा से गहरा रिश्ता है. और हकीकत भी यही है. सत्ता के नशे में चूर नेताओं के दामन पर जब जब दाग़ लगता है, हर बार किसी ऐसे ही रिश्ते की हकीकत एक नई कहानी के साथ सामने आ जाती है. भंवरी और सीडी की कहानी भी कुछ ऐसी ही थी.

अब बॉर्डर पर जंग लड़ेंगी महिलाएं... सबसे पहले मिलिट्री पुलिस में भर्ती: बिपिन रावत

नई दिल्ली। भारतीय सेना में महिलाओं को लड़ाकू भूमिका देने के लिए आर्मी ने कमर कस ली है. भारतीय सेना जल्द ही लड़ाकू भूमिका में महिलाओं की नियुक्ति करेगी. बता दें कि वैश्विक स्तर पर कुछ ही देश हैं, जहां महिलाएं सेना में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मोर्चे पर लड़ती हैं. सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा कि महिलाओं को लड़ाकू भूमिका देने की तैयारी शुरू हो गई है. मौजूदा दौर में केवल पुरुष ही लड़ाकू भूमिका में रखे जाते हैं. इसके लिए सबसे पहले मिलिट्री पुलिस में महिलाओं की नियुक्ति होगी. जनरल रावत ने कहा, 'मैं महिलाओं को जवान के रूप में नियुक्त करने के बारे में सोच रहा हूं. पहले, हम मिलिट्री पुलिस जवान के रूप में शुरुआत करेंगे.

चुनिंदा क्षेत्रों में होती है महिलाओं की नियुक्ति: मौजूदा समय में महिलाओं की नियुक्ति कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में ही होती है. इनमें मेडिकल, लीगल, शिक्षा, सिग्नल और इंजीनियरिंग विंग हैं. ऑपरेशनल चुनौतियों और लॉजिस्टिकल इश्यूज के चलते महिलाओं को अब तक लड़ाकू भूमिकाओं में नहीं रखा जाता है. सेना प्रमुख बिपिन रावत ने कहा कि वह महिलाओं की नियुक्ति के लिए तैयार हैं और इस पर सरकार के साथ बातचीत चल रही है. पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में जनरल रावत ने कहा कि महिलाओं की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. उन्होंने कहा कि लड़ाकू भूमिकाओं में महिलाओं को अपनी ताकत और दृढ़ता दिखानी होगी, ताकि बनी बनाई रूढ़ियां तोड़ी जा सकें.

क्या है मिलिट्री पुलिस का काम : बता दें कि जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन और इजरायल ने महिलाओं को लड़ाकू भूमिकाओं में नियुक्त किया है. मिलिट्री पुलिस कैंटोनमेंट और आर्मी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में काम करती है. साथ ही सैनिकों द्वारा नियम और कानून के उल्लंघन को रोकती है. युद्ध और शांति के समय सैनिकों के आवागमन में मदद करती है. इसके अलावा मिलिट्री पुलिस के जिम्मे युद्धबंदियों की भी जिम्मेदारी होती है और जरूरत पड़ने पर सिविल पुलिस को भी मदद करती है.

IAF में फाइटर पायलट महिलाएं : इतिहास रचते हुए भारतीय वायुसेना ने पिछले साल तीन महिलाओं को फाइटर पायलट के रूप में नियुक्त किया. भारत सरकार ने प्रायोगिक तौर पर महिलाओं को फाइटर पायलट के रूप में नियुक्त करने का फैसला लिया था. भारतीय वायुसेना में महिलाओं की नियुक्ति इन्हीं फाइटर पायलटों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किए जाने के बाद होगी. ये तीन फाइटर पायलट अवनी चतुर्वेदी, भावना कांठ और मोहना सिंह हैं, जो अब भारतीय वायुसेना के फाइटर स्वॉड्रन का हिस्सा हैं. वहीं भारतीय नौसेना जंगी जहाजों पर महिलाओं की नियुक्ति के बारे में विचार विमर्श कर रही है. हालांकि नौसेना की लीगल, लॉजिस्टिक्स, नवल ऑर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग विंग में महिलाओं की नियुक्ति होती है.

लंदन हमले में 7 लोगों की जान गई, पुलिस ने 8 मिनट में मार गिराए 3 आतंकी

लंदन। यहां के लंदन ब्रिज पर पैदल चल रहे लोगों पर एक शख्स ने वैन चढ़ा दी। दो अन्य इलाकों में भी हमले किए गए। पुलिस ने इन्हें आतंकी हमला करार दिया है। 7 लोगों की मौत हो गई और 48 लोग जख्मी हुई। असिस्टेंट चीफ कमिश्नर माइक रॉवले ने कहा, सुसाइड जैकेट पहने 3 आतंकियों को पुलिस ने 8 मिनट के भीतर मार गिराया। 8 जून को ब्रिटेन में इलेक्शन हैं। करीब 2 हफ्ते पहले मैनचेस्टर में हुए फिदायीन हमले में 22 लोगों की मौत हो गई थी। बता दें बर्मिंघम में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाक का मैच चल रहा है। लंदन और बर्मिंघम के बीच की दूरी 160 किमी है। हालांकि, बर्मिंघम में भारतीय टीम सुरक्षित है। अलग-अलग 3 घटनाएं हुईं...

– न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लंदन ब्रिज, बरो मार्केट और वॉक्सहॉल इलाके में हमले हुए। पुलिस ने बताया कि हमले में मारे जाने वालों की संख्या 7 हो गई है। जख्मी लोगों को 6 हॉस्पिटल्स में एडमिट कराया गया है। – पुलिस की तरफ से ट्वीट किया गया, 4 जून को स्थानीय समय के मुताबिक रात करीब 12.30 बजे लंदन ब्रिज, बरो मार्केट में आतंकी हमला हुआ। वॉक्सहॉल इलाके में हुए हमले को आतंकी नहीं कहा जा सकता।

– सभी इलाकों में सिक्युरिटी बढ़ा दी गई है। डाउनिंग स्ट्रीट (पीएम का आवास) के मुताबिक, थेरेसा मे लगातार अफसरों के कॉन्टैक्ट में हैं।

भ्रष्ट बाबुओं पर नकेल के लिए मोदी सरकार एक्शन में

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान को और धार देते हुए भ्रष्ट बाबुओं के खिलाफ जांच के लिए समय सीमा तय कर दी है. केंद्र ने तय किया है कि सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के केस में जांच को 6 महीने के भीतर पूरा किया जाए. सरकार के इस फैसले से लंबे समय से लंबित पड़े मामलों में जांच के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है. इससे पहले बाबुओं के खिलाफ जांच पूरी करने की कोई तय सीमा नहीं थी. कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने केंद्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, कंट्रोल और अपील) नियम 1965 में संशोधन किया है और जांच एवं पूछताछ की प्रक्रिया के महत्वपूर्ण चरणों के लिए टाइम लाइन डिसाइड की है. आरोपी कर्मचारी को देनी होगी आरोपों की प्रति : नए नियमों के मुताबिक जांच एजेंसी को 6 महीने के भीतर जांच पूरी करके रिपोर्ट सबमिट करनी होगी. हालांकि सरकार ने यह भी तय किया है कि बेहतर और संतोषजनक कारणों के चलते जांच एजेंसी को दिए जाने वाले अतिरिक्त समय की अवधि भी एक समय में 6 महीने से ज्यादा नहीं होगी. अनुशासनिक प्राधिकारी को इसका लिखित में रिकॉर्ड रखना होगा.।

टॉपर घोटाला: पांच घंटे में खंगाली गई टॉपर गणेश की कुंडली

पटना। इंटर के आर्ट्स टॉपर गणेश कुमार की उम्र में गड़बड़ घोटाले की भनक बोर्ड अधिकारियों को लगी तो इसके बाद उसकी कुंडली खंगालने में बोर्ड कर्मी जुट गए। पांच घंटे में 350 से अधिक गणेश नाम के परीक्षार्थियों की सूची निकाली गई। जांच के किसी तरह की चूक न हो इसके लिए 1990 से 2017 तक के इंटर और मैट्रिक परीक्षा में शामिल एक-एक गणेश की जानकारी जुटाई गई। इसमें 1990 के एक परीक्षार्थी गणेश राम और टॉपर गणेश कुमार के पिता का नाम शंकरनाथ राम कॉमन मिला। गिरिडीह के सीआरएसआर हाईस्कूल, सरिया की कुंडली खंगाली गई। इससे शक पुख्ता रूप लेने लगा। इसके बाद बोर्ड अधिकारी जांच की सूचना दिए बगैर गिरिडीह में बिताए दिनों की जानकारी गणेश से लेने लगे।

सम्मानित करने के बहाने बोर्ड बुलाया गया गणेश बोर्ड अधिकारियों ने गणेश को सुबह 10 बजे के आसपास फोन कर बताया कि बोर्ड को आपकी योग्यता पर शक नहीं है। शुक्रवार की शाम अध्यक्ष आपको सम्मानित करना चाहते हैं। शाम तक आ जाइए। गणेश ने शुरू में हामी नहीं भरी। कुछ देर के बाद फोन कर संबंधित अधिकारी को बताया कि वह शाम पांच बजे तक पहुंच जाएगा। कार्यालय पहुंचने के बाद उसे जांच की भनक नहीं लगने दी गई। अध्यक्ष समेत वरीय अधिकारियों ने पहले उसे सफलता की बधाई दी। उसे जलपान कराया गया। 15-20 मिनट के बाद 1990 में मैट्रिक परीक्षा से संबंधित प्रश्न पूछे गए। शुरूआत में गणेश ने साफ इन्कार कर दिया। जब उसे उस दौरान के सर्टिफिकेट दिखा गया तो होश उड़ गए।

कार्रवाई नहीं करने के आश्वासन पर उगले राज बोर्ड अधिकारियों ने गणेश को पूरी तरह से आश्वस्त किया कि इस संबंध में उसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होगी। उसकी योग्यता पर किसी को शक नहीं है। इसके बाद गणेश ने उम्र छिपाने की पूरी कहानी बयान कर दी।

बैलेंस देखने गए बुजुर्ग का एटीएम बदलकर 80 हजार उड़ाए

इसी दौरान ठग ने पीछे छिपकर पासवर्ड देख लिया

इंदौर। एक ठग ने 75 वर्षीय बुजुर्ग का एटीएम बदलकर उनके खाते से 80 हजार निकाल लिए। बुजुर्ग एटीएम पर बैलेंस देखने गए थे। इसी दौरान ठग ने पीछे छिपकर पासवर्ड देख लिया। पीड़ित ने सायबर सेल और क्राइम ब्रांच में शिकायत की है। फरियादी दौलतराम स्वर्णकार निवासी मुखर्जी नगर के मुताबिक वे गुरुवार को गोविंद नगर खारचा स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम पर बैलेंस देखने गए थे। इस दौरान एक युवक पीछे खड़ा था। उन्हें लगा कि वह रुपए निकालने के लिए आया है। बैलेंस देखने के लिए उन्होंने युवक की मदद ली। जैसे ही वे पर्ची लेकर बाहर निकले, युवक ने कहा उसका एटीएम कार्ड काम नहीं कर रहा है। युवक ने उनका कार्ड मशीन में स्वेप किया और वापस दे दिया। कुछ देर बाद पता चला कि उनके खाते से 80 हजार रुपए गायब हो गए। ठग ने बुजुर्ग का कार्ड भी बदल दिया था। उन्होंने बेटे और बहू को घटना बताई तो पता चला ठग ने दीपिका थापा के नाम का कार्ड देकर बुजुर्ग के खाते से रुपए निकाले हैं।

एआईसीटीएसएल: मुंबई के लिए यात्री बस सेवा शुरू

इंदौर। सिटी बस कंपनी (एआईसीटीएसएल) ने इंदौर से मुंबई के लिए भी यात्री बस (वॉल्वो) सेवा शुरू कर दी है। शुक्रवार को महापौर मालिनी गौड़ ने नई इंटर स्टेट बस सेवा के साथ आठ नई सिटी बसों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कंपनी के मुताबिक ये मुंबई रूट की ये बसें एयरकंडीशंड होंगी। ये रोजाना रात साढ़े आठ बजे मुंबई रवाना होंगी। वहां से शाम 7.30 बजे इंदौर के लिए निकलेंगी। स्लीपर श्रेणी की इन बसों में अन्य सुविधाएं भी होंगी। इनका किराया 1250 रुपए प्रति सवारी रहेगा। फिलहाल दो बसों के साथ सेवा शुरू की गई है। यात्री बढ़ने पर इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा शहर के लिए आठ नई सिटी बसें भी शुरू की गई हैं। इनका नया रूट सी-टू निर्धारित किया गया है। ये बसें गंगवाल बस स्टैंड से यूनिवर्सिटी के खंडवा रोड कैंपस तक चलेंगी। इस बीच ये अंतिम चौराहा, बड़ा गणपति, जिंसी, रामबाग, नगर निगम, कोठारी मार्केट, रीगल, मधुमिलन, छावनी, अग्रसेन चौराहा, सपना-संगीता स्टॉप पर रुकेंगी।

गाड़ियों पर मैरिज पार्टी के पोस्टर लगाकर कंजर डेरों पर पहुंची पुलिस

उज्जैन। शहर में लगातार चोरी व चेन स्नेचिंग के बाद शाजापुर व देवास जिलों के कंजर डेरों पर गुरुवार को उज्जैन पुलिस ने दबिश दी। पुलिस ने अपने वाहनों पर मैरिज पार्टी के पोस्टर लगा रखे थे, जिस कारण टीम डेरों में अंदर तक पहुंच गई और बदमाशों को हिरासत में लेकर भारी मात्रा में माल बरामद किया। पुलिस ने इस बार रात के बजाए दिन में ही दबिश डाली, हालांकि फिर भी कई बदमाश पुलिस को देखकर भाग निकले। शहर में वारदातों को लेकर पुलिस की नींद उड़ी हुई है। पुलिस को शंका है कि देवास व शाजापुर के कंजर डेरों के बदमाश वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

इसको लेकर गुरुवार तड़के 50 से अधिक पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों ने कंजर डेरों पर दबिश डाली। मैरेज पार्टी के पोस्टर लगाकर टीम डेरों पर पहुंची। दो जीप व एक बस के अलावा अन्य वाहनों से पुलिस बल मौके पर पहुंचा था। सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने कई कंजरों को उठाया है। उनके पास से चोरी का माल भी बरामद हुआ है।

क्षरण रोकने के लिए महाकाल का नहीं होगा पंचामृत अभिषेक

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर है। अब वे गर्भगृह में स्थित ज्योतिर्लिंग पर पंचामृत हाथ से नहीं मल सकेंगे। अभिषेक सिर्फ सवा लीटर दूध से ही किया जा सकेगा। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के निर्णय अनुसार नई व्यवस्था शुक्रवार से लागू हो जाएगी। मंदिर प्रशासक एसएस रावत ने गुरुवार को एक मीटिंग में पंडे-पुजारियों को आश्वस्त कर कहा है कि नई व्यवस्था में मंदिर की परंपराओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। आचरण एवं नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। श्रद्धालुओं से अनुरोध किया जाएगा कि वे अभिषेक, पूजन की सामग्री अच्छी गुणवत्ता की लाएं ताकि शिवलिंग का क्षरण रोका जा सके। मंदिर क्षेत्र में बिकने वाली पूजन सामग्री की भी नियमित जांच होगी। प्रशासक रावत के अनुसार नई व्यवस्था के तहत अब सिर्फ पंडे-पुजारी ही नियमित आरती के समय ज्योतिर्लिंग का हाथ से मलकर अभिषेक कर सकेंगे।

विजलेंस टीम का धावा, दो दर्जन पंचनामे बनाए, बिजली चोरी पकड़ी

उज्जैन। मप्र पश्चिम विद्युत वितरण कंपनी की इंदौर से आई विजलेंस टीम ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उपभोक्ताओं के यहां निरीक्षण किया। टीम ने दो दर्जन से अधिक पंचनामे बनाए। सूत्रों के अनुसार इंदौर से दो दर्जन अधिकारियों की टीम ने सुबह से पूर्व व पश्चिम संभाग के 9 जोन में जाकर आकस्मिक जांच की। प्रत्येक जोन में 2-2 अधिकारियों की टीम लगी है। टीम ने उपभोक्ताओं के यहां मीटर तथा विद्युत खपत की जांच की। इस दौरान दो दर्जन से अधिक पंचनामे बनाए। इनमें लोड से अधिक बिजली का उपयोग करने, मीटर में गड़बड़ी तथा सीधे लाइन से बिजली जलाने के मामले हैं। टीम 10 दिनों तक उपभोक्ताओं के कनेक्शनों की जांच करेगी। टीम के साथ एसएफ के जवान भी सुरक्षा के लिए साथ चलेंगे।

27 अप्रैल वाले रिव्यू नियम की अधिसूचना को निरस्त करना गलत

इंदौर। नए और पुराने रिव्यू नियम के बीच उलझी यूनिवर्सिटी ने भले ही मार्च में कार्य परिषद (ईसी) के जरिये मामला सुलझा लिया हो लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने इस पर आपत्ति उठाई है। विभाग ने यूनिवर्सिटी को पत्र भेजा है, जिसमें 27 अप्रैल वाले रिव्यू नियम की अधिसूचना को निरस्त करना गलत बताया है। यूनिवर्सिटी से स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है। यूनिवर्सिटी में जनवरी तक 2012 वाले रिव्यू नियम से कॉपियां जांची जा रही थी, जिसे गलत बताकर गोपनीय विभाग ने 27 अप्रैल 2016 को जारी अनचेक प्रश्नों वाले नियम को लागू कर दिया। इसके बाद यूनिवर्सिटी दोनों नियम में बुरी तरह उलझ गई। करीब दो महीने तक रिव्यू का काम पूरी तरह बंद कर दिया। फिर ईसी की बैठक बुलाई गई। पत्र में उल्लेख किया गया है कि 2012 वाले नियम का विरोध ईसी सदस्य केके तिवारी व प्रभारी अतिरिक्त संचालक एसबी सिंह ने किया था। बावजूद इसके 27 अप्रैल वाले नियम को निरस्त कर दिया।

दोस्त बनाकर लड़कों को लूटने वाला गिरोह पकड़ाया

इंदौर। संभ्रांत परिवार के युवकों से दोस्ती कर लूटने वाले गिरोह को बाणगंगा पुलिस ने शुक्रवार को पकड़ा। गिरोह में तीन लड़के और एक लड़की हैं। लड़की पहले वॉट्सएप पर चैटिंग कर लड़कों से दोस्ती करती थी। फिर उन्हें सुनसान इलाके में बुलाती थी। वहां गिरोह के अन्य सदस्य उसे लूट लेते। पिछले दिनों इस गिरोह ने महावीरबाग के कैटरर हर्षदीप जैन को लूटा था। इसके बाद उसने गिरोह में शामिल कोमल, सचिन चीना और छोटू उर्फ सुंदरम के खिलाफ बाणगंगा थाने में शिकायत की थी। कोमल ने पहले हर्षदीप से दोस्ती की और 2 मई को उसे मिलने बुलाया। उसे लेकर टिगरिया बादशाह गई। दोनों सुनसान में बातचीत करने लगे।

खबरें | **बारिश और आंधी का वेग तेज होने पर डोम में जगह-जगह पानी की तेज धार गिरने लगी।**

'प्रणाम इंदौर' कार्यक्रम में तेज बारिश से गिरे दो डोम, 48 घायल

इंदौर। स्वच्छता के मामले में देश में पहले स्थान पर आने की खुशी में दशहरा मैदान पर सोमवार शाम को आयोजित 'प्रणाम इंदौर' कार्यक्रम के दौरान तेज आंधी और बारिश ने आयोजन स्थल को तहस-नहस कर दिया। लोहे के एंगल पर टिके पंडाल (डोम) नीचे बैठे लोगों पर गिरने से 48 लोग घायल हो गए।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडू, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान व अतिथि सहित हजारों लोग डोम में मौजूद थे। सभी वीआईपी लोगों और नेताओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घायलों में एक महिला पार्षद भी शामिल हैं। सात गंभीर घायलों को मैदान के सामने स्थित यूनिक हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

कार्यक्रम के लिए दशहरा मैदान पर तीन वाटरप्रूफ डोम बनाए गए थे। एक बड़े डोम में कार्यक्रम हो रहा था, दूसरे बड़े डोम में भोजन की व्यवस्था थी, जबकि तीसरे डोम में प्रदर्शनी लगी थी। शाम को तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हुई तो दोनों बड़े डोम गिर गए। घटना के वक्त कार्यक्रम शुरू ही हुआ था और महापौर मालिनी गौड़ भाषण दे रही थीं। तेज बारिश के कारण पहले डोम में कुछ जगह पानी गिरने लगा। कुछ ही देर में पूरे डोम में जगह-जगह तेज धाराएं गिरने लगीं। आंधी तेज हुई तो डोम में लगाए गए एंगल हिलने लगे और कवर उड़ने लगे। डोम की कुछ बत्तियां गुल कर दी गईं, लेकिन कार्यक्रम जारी रहा।

बारिश और आंधी का वेग तेज होने पर डोम में जगह-जगह पानी की तेज धार गिरने लगी। कार्यक्रम वाले डोम के पिछले हिस्से में अफरातफरी शुरू हुई और सबसे पहले डोम के पिछले हिस्से का एक एंगल गिरा। उसका दबाव दूसरे एंगलों पर आता गया और कुछ ही देर में पूरा डोम गिर गया। इसके साथ ही अफरातफरी मच गई और मदद के लिए चीख-पुकार मचने लगी। लाइट गुल होने से किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था। कोई डोम का कपड़ा फाड़कर बाहर निकला तो कोई एंगलों के बीच कीचड़ में रेंगते हुए जान बचाकर बाहर आया। डोम के भीतर सुरक्षा की दृष्टि से लगाई गई जालियों के कारण लोगों को निकलने में काफी परेशानी हुई।

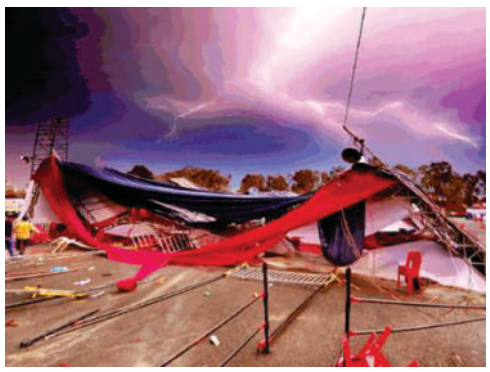

किसी का हाथ टूटा तो किसी का पैर : लोहे के भारी एंगल पर टिके डोम गिरने से कई लोगों के हाथ-पैर टूट गए। एक निगमकर्मी के पैर में चार फ्रैक्चर बताए गए। कहीं पुलिसकर्मियों ने घायलों को सुरक्षित जगह पहुंचाया तो कहीं पार्षद और अन्य नेताओं ने मदद की। निगमकर्मियों ने भी बिना समय गंवाए बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों को गिरे हुए डोम से निकलने में मदद की। कई निगमकर्मी भी घायल हुए।

सीएम जाने को नहीं थे तैयार : भगदड़ देखकर सुरक्षाकर्मी और नेता मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों को कार्यक्रम स्थल से ले जाने लगे तो चिंतित मुख्यमंत्री ने वहां से जाने से इंकार कर दिया। विधायक सुदर्शन गुप्ता और राजेश सोनकर ने उनसे जल्द वहां से हटने का आग्रह किया, लेकिन मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को ऐसी स्थिति में छोड़कर वे नहीं जाएंगे। बाद में जब सीएम को अफसरों ने बताया कि डोम खाली हो चुके हैं, उसके बाद ही वे जाने को तैयार हुए। थोड़ी देर बाद वे घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे। इधर, महापौर मालिनी गौड़ भी अतिथियों के रवाना होने के बाद सीधे यूनिक हॉस्पिटल गईं। वे रात तक घायलों के उपचार और अन्य प्रबंध कराती रहीं। कई विधायक भी हॉस्पिटल पहुंचे और मरीजों के हालचाल जाने।

किसानों को समस्याओं से निजात दिलाने राज्य सरकार तत्परः मुख्यमंत्री श्री चौहान

फसल बीमा के दो हजार करोड़ की व्यवस्था

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने आज झाबुआ में कृषि विज्ञान मेले एवं हितग्राही सम्मेलन का समापन करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। किसानों को समस्याओं से निजात दिलाने के लिये गंभीरता के साथ प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ऑडिटोरियम के लिये भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि पिछले वर्षों में फसल बीमा एवं फसल क्षति मुआवजा के रूप में एक बड़ी राशि किसानों को वितरित की गई है। इस साल भी प्रदेश में दो हजार करोड की राशि फसल बीमा के रूप में किसानों को वितरित की जायेगी। झाबुआ में तैयार रोडमेप की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने के लिये योजनाबद्ध तरीके से प्रयास किये जा रहे हैं। सिंचाई के लिये बाँध व तालाब बनाकर खेतों तक पानी पहुँचाने के प्रयास किये गये हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि नर्मदा नदी के पानी को लाने के लिये पूर्व घोषणा अनुरूप अलिराजपुर में प्रथम चरण का कार्य जारी है। झाबुआ जिले के लिये पानी लाने की रूपरेखा बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पीने के पानी के लिये जहाँ जैसी जरूरत होगी, वहाँ वैसी पानी की व्यवस्था की जायेगी। झाबुआ जिले में जल संरक्षण एवं रोजगार के लिये 779 तालाब स्वीकृत किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष झाबुआ जिले को 18 हजार आवास का आवंटन किया गया है। अगले वर्ष भी इतने ही आवास दिये जायेंगे और जब तक सभी गरीबों के लिये आवास की व्यवस्था नहीं होती, तब तक आवास आवंटन जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने झाबुआ में हाथीपावा की पहाड़ी पर 200 हेक्टेयर क्षेत्र में पौध रोपण की योजना की प्रशंसा की तथा 2 जुलाई को प्रदेश भर में होने वाले पौध रोपण में सभी से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। श्री चौहान ने जनसमूह को पेड़ लगाने, पानी बचाने, बेटा-बेटियों को पढ़ाने और बाल विवाह रोकने के लिए संकल्प दिलवाया।

दमोह की 300 करोड़ की योजना से 40 गाँव में होगी सिंचाई

भोपाल। प्रदेश में इस वर्ष निर्धारित लक्ष्य 22 लाख के विरुद्ध अब तक लगभग 24 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है। करीब 33 लाख संग्राहक 16 हजार फड़ के माध्यम से तेन्दूपत्ता का संग्रहण कर रहे हैं। तेन्दूपत्ता संग्रहण अभी जारी है। वन मंत्री डॉ. शेजवार ने बताया कि एक जून तक जिला वनोपज यूनियन मुरैना एवं झाबुआ में 125-125, नीमच 120, सिंगरौली 119, उत्तर पन्ना 118, दक्षिण सागर 117, उत्तर शहडोल 115, सीधी 114, दक्षिण शहडोल, शिवपुरी और उज्जैन 113-113, छतरपुर 112, उत्तर सिवनी एवं पूर्व मंडला 111-111, उमरिया एवं सतना 109-109, भोपाल 108, ग्वालियर 107, अशोकनगर, अनूपपुर, राजगढ़, उत्तर बालाघाट, इंदौर एवं दक्षिण सिवनी 106-106, विदिशा एवं गुना 105-105, दक्षिण पन्ना 104, डिंडौरी, श्योपुर एवं पश्चिम मंडला 103-103, बड़वानी 102, दक्षिण बालाघाट, ओबेदुल्लागंज एवं उत्तर सागर में 101-101 फीसदी तेन्दूपत्ते का संग्रहण किया गया है।

शहीदों के स्मारक स्थल बोरासघाट को भव्य स्वरूप दिया जायेगा

भोपाल के विभिन्न स्थानों का नामकरण महापुरूषों पर होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बोरासघाट शहीदों के स्मारक स्थल को भव्य स्वरूप दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि भोपाल नगर के विभिन्न स्थानों का नाम शहीदों, सैनानियों, क्रांतिकारियों, समाज सुधारकों के नाम पर रखा जाये। उन्होंने इसके लिये टीम गठित कर नामों का चयन करने के निर्देश दिये हैं। श्री चौहान आज बोट क्लब में भोपाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन नगर निगम द्वारा भोपाल की आजादी की 68वीं वर्षगांठ पर किया गया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विलीनीकरण आंदोलन में शामिल हुये सेनानी श्री कुबेर सिंह सकलेचा और श्री मानकचंद चौबे का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। भोपाल गान की सीडी का विमोचन किया। श्री चौहान ने भोपालवासियों का आव्हान किया कि वो टीटी नगर को तात्या टोपे नगर के नाम से ही संबोधित करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि जहाँ भी टीटी नगर लिखा है वहाँ तात्या टोपे नगर लिखवाने के लिये नागरिकों से अपील करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जो देश अपने शहीदों का स्मरण नहीं करता, वह अधिक दिन तक बना नहीं रह सकता। उन्होंने बताया कि भोपाल को आजादी देश की आजादी के दो साल बाद मिली। नबाव के दुराग्रह के कारण नबाव से आजादी के लिये भोपाल के लोगों को घनघोर संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने विलीनीकरण के सेनानियों बोरास के शहीदों का उल्लेख करते हुये कहा कि शहीदों की पूजा की जानी चाहिये। शहीदों का निरंतर स्मरण किया जाना चाहिये। भोपाल की वर्षगांठ मनाने के लिये उन्होंने नगर निगम को बधाई दी।

विकास उद्योगों से सहयोग का किया आव्हान

कौशल विकास से करेंगे बेरोज़गारी का अंत - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कौशल विकास राज्य सरकार का मिशन है। कौशल विकास से बेरोजगारी की समस्या को समाप्त करने का महाअभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि श्रम को प्रतिष्ठित करने के लिये कौशल विकास के माध्यम से रोजगार निर्माण पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य सँवारने के सभी संभव प्रयास किये जायेंगे। युवाओं को कौशल संपन्न बनाकर बेरोजगारी से मुक्ति देने की क्रांतिकारी शुरूआत प्रदेश में हुई है। श्री चौहान आज यहाँ वैश्विक कौशल विकास और रोजगार में भागीदारी सम्मेलन 2017 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। समिट का आयोजन मध्यप्रदेश रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से किया गया।

श्री चौहान ने युवाओं का आव्हान किया कि वे निराश और हताश नहीं हो। रोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने उद्योगों का आव्हान किया कि वे उद्योगों में कौशल की जरूरत का आकलन करे। राज्य सरकार उन्हें कौशल संपन्न युवा मानव संसाधन उपलब्ध करवायेगी।

हर साल ढाई लाख बेटियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण : श्री चौहान ने प्रदेश में कौशल प्रशिक्षण की तैयारियों और योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि सिंगापुर के सहयोग से 600 करोड़ रूपये की लागत से भोपाल में ग्लोबल स्किल पार्क स्थापित होगा। प्रत्येक संभाग में कम से कम एक आदर्श आईटीआई खोला जायेगा। हर साल ढाई लाख बेटियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। दिव्यांगों को भी प्रशिक्षण दिया जायेगा। महिलाओं के स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को आंदोलन का रूप दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज सभी जरूरी अधोसंरचनात्मक व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं। अनुकूल वातावरण है। मुख्यमंत्री युवा स्व-रोजगार योजना, मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन, मुख्यमंत्री कौशल्या योजना जैसी नवाचारी योजनाएँ हैं। प्रदेश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश की सरकार सरल और प्रभावी सरकार : केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजीव प्रताप रूड़ी ने कहा कि पिछले छह दशक में शिक्षा को कौशल विकास का साथ नहीं मिला। इसलिये कौशल विकास के क्षेत्र को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पाई। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर पहली बार कौशल विकास को महत्व मिला है। उन्होंने नये कौशल विकास मंत्रालय के लिये 26 हजार करोड़ का बजट दिया है। अब पोलिटेक्निक, आई.टी.आई. और लघु अवधि के रोजगारोन्मुखी पाठयक्रमों को कौशल विकास मंत्रालय के अंतर्गत लाया गया है। श्री रूड़ी ने कहा कि जिस मात्रा में उद्योगों में रोजगार उपलब्ध है उस मात्रा में कौशल संपन्न जनशक्ति तैयार नहीं हो पा रही है। उन्होंने मध्यप्रदेश की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान की सक्रियगता और संवेदनशीलता से कौशल विकास में मध्यप्रदेश अन्य प्रदेशों से आगे निकल गया है। श्री रूड़ी ने उद्योगों और कौशल की आवश्यकता में परस्पर गठजोड़ करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी राज्यों को इस दिशा में तैयारी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि निर्माण के क्षेत्र में तीन करोड़ लोगों की जरूरत है। अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में प्रशिक्षित लोग चाहिये। उन्होंने बताया कि देश में 13 हजार आई.टी.आई. है जिनमें 23 लाख बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। अब आई.टी.आई में आठवीं पास बच्चे को 10वीं और 10वीं पास बच्चों को बारहवीं कक्षा की मान्यता होगी। उद्योगों के सुझाव पर नये ट्रेड भी पढ़ाये जायेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री ने मध्यप्रदेश में कौशल विकास की दिशा में हुए काम की सराहना करते हुए कहा कि श्री चौहान के नेतृत्व में प्रदेश ने तेज गति पकड़ी है। मध्यप्रदेश की सरकार सरल और प्रभावी सरकार है। यहाँ की नौकरशाही भी पूर्णतः जवाबदेह है। उन्होंने उद्योगों का आव्हान किया कि वे अपने अनुभव, ज्ञान और जरूरत के अनुरूप बताये कि किस प्रकार का कौशल अपने उद्योगों के लिये चाहते हैं। इससे दोनों को परस्पर लाभ होगा। युवाओं को रोजगार मिलेगा और उद्योगों को कौशल संपन्न युवा शक्ति मिलेगी। प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएँ हैं। सीमेंट हब और पावर हब बन गया है। अब इंदौर आई टी हब बन रहा है। कौशल विकास की ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा कि रोजगार देने वाले और प्राप्त करने वाले एक मंच पर आना चाहिए। स्किल की कमी अब दूर हो रही है। बेरोजगारी का कलंक मिटाना पहली प्राथमिकता है।

यह कहा उद्योगपतियों ने : भारतीय उद्योग परिसंघ के वेस्टर्न रीजन प्रमुख श्री अरुण नंदा ने कहा कि लघु उद्यमिता कम होती जा रही है। इसे बढ़ावा देना सबकी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को स्वयं अपनी जरूरतों को आगे आकर बताना होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि पिछले आठ-दस सालों में मध्यप्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है वह पिछले 30-32 सालों में भी नहीं हो पाया था। आईटीसी के प्रमुख श्री चितरंजन दार ने कहा कि आईटीसी खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में प्रदेश में काम कर रहा है। सुंगधित और औषधीय पौधों की खेती में कदम बढ़ाया है। नौकरी डॉट.कॉम के श्री वी. सुरेश ने कहा कि जल्दी ही मोबाइल उपयोग में भारत अमेरिका को पीछे छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि यह मिथक है कि प्रौद्योगिकी रोजगार खत्म कर देती है इसके उलट प्रौदयोगिकी रोजगार निर्माण में सहायक होती है।

सम्पादकीय

यात्रा से लोगों के सोच में आया सकारात्मक बदलाव

विश्व के अनूठे नदी और जल संरक्षण अभियान में तब्दील 'नमामि देवि नर्मदे' सेवा यात्रा ने न केवल सेवा यात्रियों बल्कि नर्मदा किनारे के गाँवों के लोगों को भी बदल दिया है। अब उनमें नर्मदा नदी के संरक्षण और उसे प्रदूषण मुक्त बनाने की भावना ने उदात्त रूप ले लिया है। ग्रामीण इस उदात्त भावना को पैदा करने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने नर्मदा यात्रा संचालित कर उन्हें जागरूक किया। यात्रा की 146 दिनों की अवधि में ग्रामीणों की यह भावना बार-बार प्रकट हुई । यात्रा के प्रति कर्तव्य बोध भी। सबसे बड़ी बात उन्हें यह साल रही थी कि यह विचार उन्हें पहले क्यों नहीं आया। फिर जैसा होता है 'जब जागो तब ही सबेरा' के भाव से वे नर्मदा संरक्षण के लिये समर्पित हो रहे हैं। हर गाँव में नर्मदा सेवा समिति का सदस्य बनने की होड़ लगी हुई है। अप्रैल-मई की भीषण गर्मी में यात्रा में शामिल होने वाले नर्मदा के दोनों तट के 16 जिलों के रहवासियों को अब इंतजार है नर्मदा सेवा समिति सदस्यों के रूप में उन्हें सौंपे जाने वाले कार्यों का।

जुग-जुग जिये मेरा शिवराज बेटा : नर्मदा सेवा यात्रा में शामिल सैकड़ों यात्रियों में से एक है भूरिया बाई, जो मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को हर पल-हर दिन दुआएँ देती हैं। भूरिया बाई बताती हैं कि 90 वर्ष की उम्र हो जाने तक उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वे नर्मदा के उत्तरी और दक्षिणी तटों की परिक्रमा कर सकेंगी। नर्मदा सेवा यात्रा में शुरू से ही साथ चल रही भूरिया बाई बताती है कि वर्षों से होशंगाबाद जिले के सिवनी-मालवा क्षेत्र के ग्राम मकड़ाई में रहने के कारण उनकी माँ नर्मदा के प्रति तो अगाध श्रद्धा थी, पर पारिवारिक जिम्मेदारियों और गरीबी के कारण नर्मदा परिक्रमा की इच्छा होते हुए भी वे कभी परिक्रमा नहीं कर सकी। भूरिया बाई बताती है कि नर्मदा सेवा यात्रा से उनका जीवन धन्य हो गया है। पिछले 5 माह से हर दिन माँ नर्मदा के दर्शन वे कर रही हैं। यात्रा के दौरान उन्हें खाने-पीने और रहने की कोई चिंता नहीं रही। यात्रा में फुर्सत के क्षणों में वे राम-नाम लेखन का पुण्य भी कमा रही हैं। भूरिया बाई ने खुशी-खुशी बताया कि जब वे यात्रा में शामिल हुई थी, तो सोचा भी नहीं था कि वे पूरे 5 माह तक यात्रा के साथ चलकर अमरकंटक तक वापस पहुँचेगी। उन्हें डर था कि उम्र ज्यादा होने के कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्या आ सकती है। भूरिया बाई बताती हैं कि उन्होंने बचपन में बुजुर्गों से सुना था कि नर्मदा मैया के एक बार दर्शन से जीवन धन्य हो जाता है। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि मुझे 5 माह से रोजाना सुबह नर्मदा माँ के दर्शन हो रहे हैं।

यात्रा से जीवन धन्य हो गया : नर्मदा सेवा यात्रा में लगभग 200 यात्री ऐसे हैं, जो अमरकंटक से गत 11 दिसम्बर से ही साथ चल रहे हैं। यात्रा के समापन चरण में भी उनके उत्साह में कोई कमी नहीं आयी है। डिंडौरी जिले के ग्राम टिकरिया निवासी परसोती लाल बताते हैं कि गत 5 माह से वे लगातार हर दिन सुबह माँ नर्मदा के आँचल को साफ रखने के लिए ग्रामीणजन को प्रेरित कर उनके साथ श्रमदान करते हैं। इस दौरान नर्मदा तट पर पड़ी पॉलीथिन की थैलियों, डिस्पोजल गिलास, प्लेटें, गंदे कपड़े, पूजा की पुरानी सामग्री को वहाँ से हटाते हैं। इसके अलावा यात्रा में शामिल सुखिया बाई, प्रेमबाई, बंदू बाई, कमलिया बाई, छोटी बाई, कौशल्या बाई सभी बताती हैं कि नर्मदा सेवा यात्रा में शामिल होकर हमारा तो जीवन धन्य हो गया। सुखिया बाई कहती हैं कि गत 5 माह में प्रदेश के 16 जिलों में जाकर माँ नर्मदा के दोनों तटों पर साफ-सफाई व अन्य सेवा कर जो आनंद मिला, उसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता। इस यात्रा के दौरान हर दिन 'राम' नाम लेखन करना लगभग सभी यात्रियों की नियमित दिनचर्या में शामिल है।

सागर जिले की बंडा तहसील के ग्राम चकेरी निवासी रामदास बाबा पूरी यात्रा के दौरान बस में बैठकर दिन-रात माला फेरते रहते हैं। वे बताते हैं कि गत 5 माह में गुरु मंत्र की लाखों माला फेर चुके हैं, जो घर में या आश्रम में सम्भव नहीं था। रामदास बाबा कहते हैं कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नर्मदा सेवा यात्रा करने का निर्णय एक ऐतिहासिक कदम है। इस यात्रा ने प्रदेश एवं देश के करोड़ों लोगों को नदी संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया है।

यात्रा में शामिल देवास जिले के श्री अमर सिंह बताते हैं कि हम लोग रोजाना सुबह नर्मदा तट पर जाकर वहां साबुन लगाकर नहाने वाले व कपड़े धोने वालों को समझाइश देकर ऐसा करने से रोकते हैं। नर्मदा तट के आस-पास शौच करने वालों को डाँट-डपट कर वहाँ से भगाते हैं। डिंडौरी जिले के ग्राम डाडबिछिया निवासी उत्तम सिंह कहते हैं कि ऐसी यात्रा अब तक न हुई, न होगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान मंडला जिले में नर्मदा तट पर स्थित ग्वारी ग्राम में उन्हें गर्म पानी का कुंड देखने को भी मिला, ऐसा कुंड आज तक कभी देखा नहीं था। सिवनी जिले के भोमा कस्बे के निवासी श्री समता लाल साहू ने बताया कि पहले भी वे एक बार पद यात्रा करके माँ नर्मदा की परिक्रमा कर चुके हैं, पर इस बार जो आनंद की अनुभूति हुई, वैसी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि माँ नर्मदा का जल औषधि गुणों से युक्त है। पिछली पद यात्रा में नदी तट पर फिसल जाने से पैर में चोट लग गई थी, तो पास में दवा न होने से पूरी श्रद्धा के साथ माँ नर्मदा का जल चोट पर लगाया, तो कुछ ही दिन में चोट ठीक हो गई।

- पराग वराडपांडे

शासकीय सेवकों को दक्ष और सक्षम बनाती प्रशासन अकादमी

एक कल्याणकारी राज्य व्यवस्था में राज्य के निवासियों का कल्याण सबसे ऊपर होता है। शासन की योजनाओं को बनाने से लेकर लागू करने तक सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी राज्य के अधिकारी एवं कर्मचारियों की होती है। इन महत्वपूर्ण दायित्व के निर्वहन के लिये सक्षम एवं दक्ष मानव संसाधन की जरूरत होती है। मध्यप्रदेश में यह काम आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी बखूबी कर रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बीते 11 साल में शासकीय सेवकों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि पर बल दिया है उनका मानना है कि राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों की कार्य-क्षमता एवं दक्षता में वृद्धि सुशासन के लिए जरूरी है। प्रशिक्षण ही एकमात्र ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा कर्मचारियों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि करते हुए उन्हें जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाता है। प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी राज्य की शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्था है। मुख्यमंत्री श्री चौहान की मंशा के अनुरूप अकादमी ने शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण के लिये महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विशेषकर पिछले 11 साल में प्रशासन अकादमी ने प्रशिक्षण एवं सुशासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं।

अकादमी में इस अवधि में 3,804 प्रशिक्षण किये गये। इसमें कुल एक लाख 14 हजार 312 शासकीय सेवकों को प्रशिक्षण दिया गया। दूरस्थ अंचलों में कार्यरत शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था सेटेलाइट के जरिये की गयी। इसके लिये अकादमी में स्थापित सेटकॉम केन्द्र ने शिक्षा सहित अन्य विभाग के कर्मचारियों को विशेष रूप से तैयार प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का उपयोग करते हुए प्रशिक्षण दिया। स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिये विशेषज्ञों की सेवाएँ लेते हुए वर्चुअल कक्षाओं का प्रसारण शुरू किया गया। इससे दूरस्थ अंचलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों से शिक्षण का लाभ मिला और वे अपनी अध्ययन संबंधी कठिनाइयों का निवारण कर सकें। प्रशासन अकादमी की उत्कृष्ट अधोसंरचना एवं गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण की क्षमता को देखते हुए भारत सरकार, अन्य राज्य सरकारों एवं देश के प्रतिष्ठित संस्थानों ने अकादमी को राष्ट्रीय महत्व के प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन/आयोजन का दायित्व दिया है। वर्ष 2009 से अकादमी में अखिल भारतीय एवं केन्द्रीय सेवाओं के ग्रुप 'ए' के अधिकारियों का आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है। अब तक ऐसे 7 प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय पुलिस एवं भारतीय वन सेवा सहित देश की महत्वपूर्ण 14 केन्द्रीय सेवाओं के 512 अधिकारी यहाँ प्रशिक्षित हुए हैं। भारतीय विदेश सेवा एवं भारतीय आर्थिक सेवा के अधिकारियों का राज्य संलग्नीकरण भी अकादमी द्वारा किया जा रहा है। भारतीय वायु सेवा, राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय एवं भारत सरकार, सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (आईएसटीएम) के अधिकारियों के लिये भी अकादमी में प्रशिक्षण कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

प्रशासन अकादमी में गुणवत्तायुक्त पूर्ण सेवाएँ देने एवं प्रशिक्षण के लिये आने वाले अधिकारियों के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करने की दृष्टि से प्रमाणीकरण आईएसओ 9001:2008 संस्था के रूप में करवाया गया है। पूरे देश में मात्र कुछ राज्य प्रशिक्षण अकादमियों को ही यह गौरव हासिल है। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान तथा मुख्यमंत्री सचिवालय के आईएसओ 9001:2008 प्रमाणीकरण में अकादमी की भूमिका रही है। प्रशिक्षण के क्षेत्र में नवाचार तथा उत्कृष्ट पद्धतियाँ विकसित करने के लिये वर्ष 2015 में अकादमी को कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग) द्वारा दो राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। प्रशासन अकादमी देश की एकमात्र ऐसी प्रशिक्षण संस्था है, जिसे राष्ट्रीय-स्तर पर एक वर्ष में एक साथ दो पुरस्कार मिले। पिछले 11 साल में अकादमी की अधोसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रशिक्षण देने के लिये आधुनिक तकनीक से युक्त एक प्रशिक्षण हॉल निर्मित किया गया। साथ ही आधुनिक सुविधायुक्त खेल परिसर भी विकसित किया गया। अकादमी के कार्यालय का आधुनिकीकरण किया गया है। पचास दर्शकों की क्षमता का दृश्य-श्रव्य कक्ष और 500 दर्शकों की क्षमता का एक अत्याधुनिक सभागार निर्मित किया गया है।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

दिन में इतने कप कॉफी पीकर रहें लीवर कैंसर से दूर

एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में कॉफी को लेकर जो खुलासे किए गए हैं उससे कॉफी के शौकीनों को राहत जरूर मिलेगी. आपने हमेशा लोगों को ये कहते हुए सुना होगा कि कॉफी सेहत के लिए काफी हानिकारक होती है. पर अगर आपको ये पता चले कि, कॉफी पीना आपके लिए जीवनदान साबित हो सकता है तो?

जी हां, हाल ही में हुए एक शोध के दौरान पता चला है कि दिन की पांच कप कॉफी आपको हेपैटोसेलुलर कैंसर होने से बचा सकती है.

पांच कप कॉफी बचाएगी लीवर कैंसर से

ब्रिटेन के एडिनबर्ग और साउथऐम्प्टम युनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि दिन में एक कप कॉफी पीने से हेपैटोसेलुलर कैंसर का खतरा 20% कम हो जाता है. 2 कप कॉफी 35त्न तक खतरा कम कर देती है और वहीं 5 कप कॉफी पीने वाले लोगों में हेपैटोसेलुलर कैंसर का जोखिम लगभग 50% तक कम हो जाता है.

हालांकि जो लोग आमतौर पर कॉफी कम पीते या नहीं पीते हैं, उन्हें भी

हेपैटोसेलुलर कैंसर का कोई खास खतरा नहीं है. हालांकि शोध की रिपोर्ट में यह बात भी कही गई कि कैफीनमुक्त कॉफी का सेहत पर सकारात्मक असर है, पर कैफीनयुक्त कॉफी के मुकाबले उसका असर कम होता है.

BMJ के जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में लगभग 2.25 लाख लोगों ने भाग लिया था. साउथ एम्प्टम युनिवर्सिटी के ऑलिवर केनेडी ने कहा, ऐसा माना जाता है कि कॉफी को पीने के बहुत सारे फायदे हैं और इस अध्ययन के बाद हमें ये भी पता चला कि, कॉफी लीवर के कैंसर को ठीक करने में भी काफी मददगार है. उन्होंने ये भी बताया कि ये खोज उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो कि हेपैटोसेलुलर कैंसर के रोगी हैं.

लीवर के रोगियों के लिए जीवनदान : दुनिया में कैंसर से दूसरे स्थान पर हेपैटोसेलुलर कैंसर से सबसे ज्यादा मौतें होती हैं, क्योंकि इस रोग का अभी तक कोई खास निदान नहीं मिल पाया. ये बीमारी सबसे ज्यादा चीन और साउथएशिया के लोगों में पाई जाती है. खासकर उन लोगों में जिन्हें पहले से क्रोनिक लीवर डिसीज हो.

ऐसा अनुमान है कि 2030 तक ये बीमारी 50 प्रतिशत बारह लाख लोगों में और बढ़ जाएगी. कॉफी के कम्पाउंड मोलिक्यूल में एंटीऑक्सिडेंट, एंटीइन्फ्लेमेटरी, एंटीकर्सिनोजेनिक और कुछ अन्य महत्वपूर्ण प्रोटीन पाए जाते हैं जो कि लीवर के कैंसर को रोकने में लाभकारी हैं.

मौत का कारण बन सकता है च्यूइंगम का शौक

अगर आप रोजाना ब्रेड और च्यूइंगम खाते हैं तो जरा सावधान हो जाएं. क्योंकि यह आपकी जान भी ले सकता है. जी हां, यह पढ़कर संभवत: आपको आश्चर्य हो, पर एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट कुछ ऐसा ही दावा कर रही है. रिपोर्ट के अनुसार ब्रेड और च्यूइंगम में पाया जाने वाला तत्व कोलोन कैंसर की वजह बनता है, जिसकी वजह से समय से पहले ही व्यक्ति की मौत हो सकती है. नैनोइम्पैक्ट के जरनल में प्रकाशित इस अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार ब्रेड और च्यूइंगम में टाइटेनियम डाईऑक्साइड नाम का तत्व पाया जाता है, जो intestine के cell structure यानी कि जुड़ी हुई कोशिकाओं को तोड़ देता है. कोशिकाओं के टूटते ही पाचनतंत्र कमजोर पड़ जाता है और इसकी वजह से संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है. यही नहीं टाइटेनियम डाईऑक्साइड पेट की कोशिकाओं का जाल तोड़कर शरीर के दूसरे हिस्सों में भी चला जाता है. यह अध्ययन बिंघमटन यूनविर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया है. अध्ययनकर्ता ग्रेचेन माहलर ने बताया कि च्यूइंगम और ब्रेड में पाया जाने वाला टाइटेनियम डाईऑक्साइड ऐसा तत्व है, जिसकी धीरे-धीरे लत लग जाती है और इसे खाने वाले व्यक्ति को बार-बार इसकी क्रेविंग होती है. इसलिए बेहतर होगा कि आप आज और अभी से च्यूइंगम व ब्रेड खाना छोड़ दें.

आंखों की खूबसूरती उभारें इन आसान उपायों से

आपने आंखों की खूबसूरती पर कई शेर सुने होंगे. जाहिर है, खूबसूरती की परिभाषा आंखों के बिना अधूरी है. एक्सपर्ट भी मानते हैं कि आंखों के मेकअप के बाद ही चेहरे की खूबसूरती निखर कर सामने आती है. इस बात में कोई दो राय नहीं कि खूबसूरती में चार चांद लगाने में आंखों की अहम भूमिका है. आई प्राइमर, हाइलाइटर, मस्कारा से आप अपनी आंखों को आकर्षक लुक देकर अपनी पर्सनैलिटी को स्मार्ट लुक दे सकती हैं. सौंदर्य विशेषज्ञ पूजा तलूजा ने मानती है कि हल्के-फुल्के मेकअप के जरिये आंखों को अच्छा और मनचाहा शेप दिया जा सकता है. आंखों के मेकअप के कुछ सुझाव आप भी जानिये... आंखों पर मेकअप करने से पहले आई प्राइमर जरूर लगाएं. इससे आंखों पर लगाया जाने वाला आईशैडो ज्यादा देर तक टिका रहेगा और इसका रंग भी उभरेगा. यह पलकों की त्वचा को कोमल भी बनाए रखेगा. पलकों और भौंहों के बीच के हिस्से यानी ब्रो बोन पर हाइलाइटर लगाने से आपकी आंखों को सुंदर आकार मिलता है. मस्कारा आपकी आंखों को उभार देने में बेहद कारगर है. इसे पलकों की बरौनियों पर ऊपर और नीचे दोनों तरफ से लगाएं. जानें, आईलाइनर लगाने से पहले अपनी आंखों की बनावट अगर आपकी आंखें बादाम के आकार की नहीं हैं, तो फिर आपको कोल (काजल) पेंसिल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसके इस्तेमाल से आपकी आंखें और छोटी नजर आएंगी.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

इंटरव्यू की तैयारी के लिए इस तरह ले सकते हैं टेक्नोलॉजी की मदद

एलोपैथी के अलावा भी हैं हेल्थकेयर में करियर बनाने की राहें

संसद में पेश की गई एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में डॉक्टरों की संख्या पर्याप्त नहीं है। दो हजार की आबादी पर महज एक डॉक्टर की उपलब्धता है। यह अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से बहुत कम है। जाहिर है, देश में काबिल डॉक्टरों की बहुत आवश्यकता है। कमोबेश यही हाल पैरामेडिकल स्टाफ को लेकर भी है। ऊपर से देश की आबादी दिनोदिन बढ़ रही है। लोगों की खानपान संबंधी आदतें बदल रही हैं। इस कारण लाइफस्टाइल से जुड़ी विभिन्ना बीमारियां भी पैर पसार रही हैं। हालांकि यह भी सच है कि हाल के वर्षों में स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता भी तेजी से बढ़ी है। ऐसे में सभी को क्वॉलिटी लाइफ जीने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता है। इसलिए हेल्थकेयर फील्ड में संभावनाओं की कमी नहीं है। इस क्षेत्र में आप एलोपैथी के अलावा होम्योपैथी, आयुर्वेद, नैचुरोपैथी, सिद्ध व यूनानी चिकित्सा पद्धति में से किसी में समुचित पढ़ाई के जरिए चिकित्सक बनकर अपने सपने संवार सकते हैं और समाज की सेवा भी कर सकते हैं।

एलोपैथी : इसे इलाज की सबसे अधिक वैज्ञानिक विधि माना जाता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें विभिन्न आधुनिक चिकित्सकीय उपकरणों व जांचों की सहायता से आसानी से पता लगाया जा सकता है कि शरीर के किस अंग में क्या बीमारी है। इसमें फिजिशियन और सर्जन के लिए स्पेशलाइजेशन के अलग-अलग क्षेत्र हैं। इसके अलावा नर्स, फार्मासिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, फिजियोथैरेपिस्ट, मेडिकल असिस्टेंट जैसे अन्य करियर ऑप्शंस भी हैं। एलोपैथी डॉक्टर बनने के लिए बायोलॉजी के साथ 12वीं पास करने के बाद साढ़े चार वर्ष का एमबीबीएस कोर्स व एक साल की इंटर्नशिप करनी होती है। एमबीबीएस में प्रवेश के लिए 'नीट' यानी नेशनल एलिजिबिलिटी एंड एंट्रेंस टेस्ट क्लियर करना जरूरी है। एमबीबीएस के बाद एमडी या एमएस कर सकते हैं।

शीर्ष संस्थान

- एम्स, दिल्ली
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे

होम्योपैथी : होम्योपैथी में रोगियों का इलाज प्राकृतिक तरीके से उनके शरीर के हीलिंग पावर को तेज करके किया जाता है। यह चिकित्सा पद्धति सस्ती पड़ती है और काफी लोकप्रिय भी है। बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएचएमएस) की डिग्री लेकर आप होम्योपैथिक प्रैक्टिशनर बन सकते हैं। इसके अलावा, मेडिकल अफसर, टीचर और रिसर्चर भी बन सकते हैं। देश के कई विश्वविद्यालय बीएचएमएस कोर्स करा रहे हैं। यह साढ़े पांच साल की अवधि का कोर्स है।

शीर्ष संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी, कोलकाता

आयुर्वेद : आयुर्वेद का मतलब है जीवन का विज्ञान। आज के आधुनिक दौर में भी भारत की इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति द्वारा उपचार को काफी महत्व दिया जा रहा है। इस विधा में स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) की तरह के कई कोर्स आयुर्वेदिक संस्थानों में संचालित हो रहे हैं। यह कोर्स साढ़े पांच साल का है। आयुर्वेद के प्रति लोगों के बढ़ रहे रुझान को देखते हुए आप आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में काफी सफल करियर बना सकते हैं।

शीर्ष संस्थान

गुजरात आयुर्वेद यूनिवर्सिटी, जामनगर

यूनान : अत्याधुनिक हेल्थकेयर के इस युग में प्राचीन यूनानी चिकित्सा पद्धति का महत्व कम नहीं हुआ है। इस पद्धति की शुरुआत ग्रीस (यूनान) से हुई, इसलिए इसे यूनानी पद्धति कहा जाता है। यूनानी डॉक्टर बनने के लिए आप 12वीं के बाद बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (बीयूएमएस) कोर्स कर सकते हैं। यह साढ़े पांच साल का कोर्स है। बायोलॉजी और उर्दू विषय से 12वीं पास विद्यार्थी यह कोर्स कर सकते हैं।

शीर्ष संस्थान

- जामिया हमदर्द

नैचुरोपैथी : नैचुरोपैथी यानी प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में रोगों का इलाज कुदरती तरीके से किया जाता है। इसमें खानपान की शैली और हावभाव पर फोकस करके उपचार किया जाता है। रोगियों को जड़ी-बूटी से बनी दवाइयां दी जाती हैं, जिनमें अलग से किसी रसायन का इस्तेमाल नहीं किया जाता। देश के कई कॉलेजों में ग्रेजुएशन स्तर पर नैचुरोपैथी की पढ़ाई कराई जा रही है। इसके अंतर्गत बैचलर ऑफ नैचुरोपैथी एंड योग साइंस की डिग्री दी जाती है। कोर्स की अवधि साढ़े पांच साल है। कोर्स में दाखिले के लिए बायोलॉजी के साथ 12वीं पास होना आवश्यक है। यह कोर्स करने के बाद युवा नौकरी या स्वयं की प्रैक्टिस कर सकते हैं।

शीर्ष संस्थान

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नैचुरोपैथी, नई दिल्ली

फास्ट फूड में हो सकती है फास्ट कमाई, देखिए क्या है स्कोप

नूडल्स आजकल घर-घर का फूड आइटम बन चुके हैं। खास तौर से बच्चों और युवाओं में यह जबर्दस्त लोकप्रिय है। इन दिनों ये बाजार में दो किस्मों में उपलब्ध हैं- रेडी-टू-ईट और प्लेन नूडल्स। इनके बढ़ते बाजार को देखते हुए कई बड़ी कंपनियां इनके निर्माण के कारोबार में आ गई हैं। इसके बावजूद, लोकल मार्केट में नूडल्स निर्माण के क्षेत्र में आम लोगों के लिए भी काफी स्कोप है।

बढ़ती मांग, बढ़ती संभावनाएं : इस काम में मेहनत तो है लेकिन रिटर्न भी अच्छा मिलता है। इस कारोबार में आपको इतना कुछ मिल सकता है, जो आपने सोचा भी नहीं होगा। इसमें फ्यूचर भी है क्योंकि यह फूड से जुड़ा कारोबार है। देश में खाने-पीने के शौकीन लोग बहुत हैं। खासकर युवा तो नूडल्स के दीवाने हैं। इस आइटम को लोग इसलिए भी अधिक पसंद कर रहे हैं क्योंकि यह इंस्टेंट फूड है। इसे तुरंत बनाकर खा सकते हैं। टीवी और अखबारों में जब से इसके विज्ञापन आने लगे हैं, तब से यह बिजनेस और बढ़ा है। यदि आप कोई ऐसा काम करना चाहते हैं, जिसमें रोज कैश हाथ आए, तो नूडल्स मैन्युफैक्चरिंग ऐसा ही काम है। रोज नूडल्स बनाओ, बेचो और रोज कैश लो। इस प्रोडक्ट को बेचना भी ज्यादा कठिन नहीं है। जितने भी खाने-पीने के मार्केट हैं, मॉल, रेस्तरां, स्कूल-कॉलेज हैं, उन सब जगहों पर आप इसे बेच सकते हैं। आजकल तो नूडल्स और चाउमिन गली-गली में बिक रहे हैं। हालांकि अब गांव-कस्बों में भी यह आइटम खूब पसंद किया जा रहा है लेकिन यह कारोबार शहरी इलाके में करना बेहतर रहेगा।

कितनी पूंजी चाहिए : नूडल्स मैन्युफैक्चरिंग के काम में दो से ढाई लाख रुपए चाहिए क्योंकि इस काम में मशीनरी की भी जरूरत होगी, जैसे स्टीमर मशीन, रोलर मशीन और मिक्सर मशीन। इन मशीनों को खरीदने में लगभग इतना खर्च आ जाएगा। अगर आपको अधिक प्रोडक्शन करना है, तो इन मशीनों से 12 से 14 घंटे काम ले सकते हैं। मैन्युफैक्चरिंग के इस काम के लिए कम से कम 4 लोग भी चाहिए। इनमें 2 मशीन ऑपरेट करने के लिए और 2 लेबर होंगे। इस काम के लिए जगह भी कम से कम 100 गज होनी चाहिए क्योंकि मैन्युफैक्चरिंग के अलावा माल को स्टोर करने के लिए भी जगह की जरूरत होगी। ट्रेनिंग की जरूरत : नूडल्स का कारोबार करने के लिए किसी खास ट्रेनिंग की जरूरत नहीं होती। थोड़ा पढ़ा-लिखा कोई भी व्यक्ति इस काम को कर सकता है। मगर जो लोग पहले कहीं मार्केटिंग या सेल्स में काम कर चुके हैं, उनके लिए यह प्लस पॉइंट होगा क्योंकि उन्हें पहले से पता रहेगा कि माल को कैसे बेचना है। फिर भी, यह जरूरी है कि आप थोड़ी-बहुत बेसिक चीजें सीखकर इस फील्ड में आएं। मार्केट में ऐसे कई मैन्युफैक्चरर्स हैं, जो नए लोगों को इंटर्नशिप भी देते हैं। इस काम में मशीन चलाने के लिए भी दो प्रशिक्षित लोग चाहिए। वैसे तो जब आप यह काम शुरू करेंगे, तो कारीगर खुद ही आपसे संपर्क करेंगे। इसके अलावा, जहां से आप मशीनरी खरीदते हैं, वे लोग भी कारीगर उपलब्ध करा देते हैं।

प्रोडक्ट की मार्केटिंग : मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग दो अलग-अलग काम हैं। इसलिए आपको कुछ ऐसे प्रशिक्षित लोग रखने होंगे, जो तैयार माल को मार्केट में ले जाकर बेचें, लोगों को आपका प्रोडक्ट दिखाएं। मार्केटिंग टीम रखने से एक फायदा यह भी है कि जब वे फील्ड में रहेंगे, तो मार्केट की जरूरत भी पता लगती रहेगी कि कितना माल बनाना है।

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

SUKHWANT SINGH CLASSES
(RUN BY SUKHWANT SIR EX FACULTY
SUPER-30 PATNA GROUP)
TEACHING SINCE 1984
Exclusively for CBSE/ISC
XI, XII-IIT
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Focused & Comprehensive Study Material
● Maths & Physics by Sukhwant Sir
● Chemistry by eminent faculty
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
● Morning Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rd April
● New Evening Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rdApril
● 11th Cum IIT/AIIMS 10th April
● Weekend Morning Batch for 12th Board 3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9479955649, 9424312779

अडिग अटूट है बाबा केदार का ये मंदिर, पीएम मोदी पहुंचे दर्शन को

लगभग 400 साल तक बर्फ के अंदर पूरी तरह से ढका हुआ बाबा केदारनाथ का मंदिर जिसे बारहवें ज्योतिर्लिंग के रूप में पूजा जाता है, जिसकी महिमा अपरंपार है. आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके दर्शन के लिए पहुंचे हैं.

चारों तरफ बर्फ के पहाड़ और दो तरफ से मन्दाकिनी और सरस्वती नदियों के बीचों बीच खड़ा शिव का ये अनोखा मंदिर 2013 में बेहद भयावह और विनाशकारी आपदा को झेल चुका है और न जाने और भी कई छोटी बड़ी आपदाओं को झेलने वाले बाबा केदार के इस धाम में बाबा की ऐसी महिमा है कि कभी इस मंदिर का बाल भी बांका नहीं हो पाया, मंदिर के अंदर प्रचीन काल से ही देवी-देवताओं की सुन्दर प्रतिमाएं हैं.

इसके साथ यहां भैरोनाथ जी का मन्दिर, आदिशकंराचार्य की समाधि व गांधी सरोवर के भी दर्शन कर सकते हैं.

कैसे और कब हुई बाबा केदार की स्थापना और कब होते हैं बाबा के दर्शन

पुराणों में वर्णित मान्यताओं के अनुसार महाभारत की लड़ाई के बाद पाण्डवों को जब अपने ही भाइयों के मारे जाने पर भारी दुख हुआ तो वे पश्चाताप करने के लिए केदार की इसी भूमि पर आ पहुंचे, कहते हैं उनके ही द्वारा इस मंदिर की स्थापना हुई.

स्वर्ग के द्वार खोलते बद्रीनाथ-केदारनाथ

केदारनाथ की निरभ्र घाटी में भगवान शिव के दर्शन जहां नास्तिक को आस्तिक बना देते हैं, वहीं आस्तिक को परम आस्था से लबरेज कर परमात्मा के और करीब कर देते हैं. केदारनाथ पहुंचने के लिए गौरीकुण्ड से 15 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है. हालांकि 2013 की आपदा के बाद ये दूरी कुछ हद तक बढ़ गई है.

केदारनाथ के दर्शन प्रात: 6 से 2 और शाम 3 से 5 बजे तक किए जा सकते हैं. अगस्त में रक्षाबंधन से पूर्व यहां श्रावणी अन्नकूट मेला लगता है. कपाट बन्द होने के दिन विशेष समाधि शंकराचार्य की पूजा होती है. केदारनाथ त्याग की भावना को भी दर्शाता है. हालांकि आपदा के बाद से यहां शंकराचार्य की समाधि नहीं है ये समाधि आपदा में बह गई थी.

बाबा केदार के अलावा अलग-अलग स्थानों में शिव के चार अंगों की पूजा होती है. उनका नाभि प्रदेश मदमहेश्वर में, भुजाएं तुंगनाथ में मुख रुद्रनाथ में और जटाएं कल्पेश्वर में पूजी जाती है. केदारनाथ समेत शिव के ये सभी रूप पंचकेदार के नाम से पूजे जाते हैं. कपाट बंद होने से लेकर खुलने तक केदारनाथ की डोली उखीमठ में ले जाई जाती है जहां 6 महीने तक उनके दर्शन उखीमठ स्थित मंदिर में ही हो पाते हैं, जहां भक्त उनके दर्शन का लाभ लेते हैं.

इसलिए होती है इस हिस्से की पूजा

भगवान यहां पर नदी के पिछले भाग यानी पूंछ वाले हिस्से में भक्तों को दर्शन देते हैं. कहा जाता है कि जब पांडव यहां आये तो भगवान शिव उनसे खफा थे वो नहीं चाहते थे कि पांडव उनके दर्शन कर सकें, लेकिन पांडवो को तो भगवान शंकर के दर्शन करने की मानो जिद थी. यही कारण था की शिव ने नदी रूप धारण कर लिया था. पांडवो से छुपने के लिए भगवान शिव जैसे ही पाताल में जाने लगे वैसे ही पांडवों ने भगवान के नदी स्वरूप के पीछे का हिस्सा पकड़ लिया, लेकिन तब तक भगवान शिव आधे पाताल में जा चुके थे, तभी से भगवान के पिछले हिस्से की पूजा केदार में और उनके मुख रूप की पूजा नेपाल में पशुपति नाथ मंदिर के रूप में की जाती है.

किस शैली में बना है केदारनाथ मंदिर

बाबा केदार का ये धाम कात्युहरी शैली में बना हुआ है. इसके निर्माण में भूरे रंग के बड़े पत्थरों का प्रयोग बहुतायत में किया गया है. मंदिर की छत लकड़ी की बनी हुई है, जिसके शिखर पर सोने का कलश रखा हुआ है. मंदिर के बाहरी द्वार पर पहरेदार के रूप में शिव के सबसे प्रिय नंदी की विशालकाय प्रतिमा बनी हुई है.

केदारनाथ मंदिर को तीन भागों में बांटा गया है. पहला-गर्भगृह, दूसरा-दर्शन मंडप जहां पर दर्शानार्थी एक बड़े प्रागण में खड़े होकर पूजा करते हैं, तीसरा- सभा मण्डप, इस जगह पर सभी तीर्थयात्री जमा होते हैं. तीर्थयात्री यहां भगवान शिव के अलावा ऋद्धि सिद्धि के साथ भगवान गणेश, पार्वती, विष्णु और लक्ष्मी, कृष्ण, कुंति, द्रौपदि, युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव की पूजा अर्चना भी करते हैं.

रात में पूजा से प्रसन्न होते हैं बजरंगबली

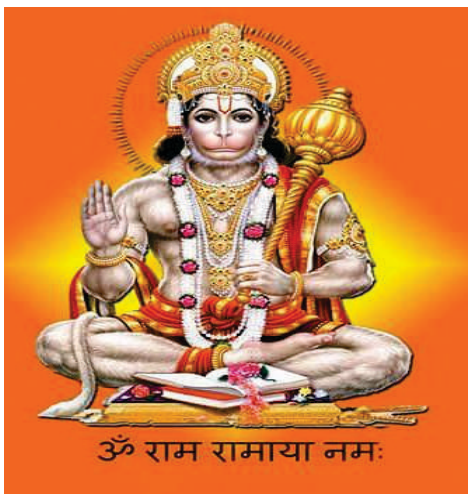

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हनुमान जी हमेशा श्री राम की भक्ति में लीन रहते हैं सारा दिन प्रभु की सेवा में लगे रहते हैं. ऐसी मान्यता है कि रात के समय जब भगवान श्री राम विश्राम करते हैं, उस समय हनुमान जी की पूजा की जाए तो वो अपने भक्तों की पुकार अवश्य सुनते हैं. यदि आप हनुमान जी को प्रसन्न करना चाहते हैं तो रात में अवश्य हनुमान जी का पूजन करें. बजरंगबली अवश्य आपकी पुकार सुनेंगे.

यदि जीवन में कोई परेशानी हो

यदि आपके जीवन में किसी भी तरह की परेशानी है तो रात के समय हनुमान चालीसा का पाठ करें. यदि आप पाठ 9 बजे रात शुरू करते हैं तो हर दिन उसी वक्त करें. यानी पाठ करने का समय ना बदलें. अपना आसन भी एक ही रखें उसे भी ना बदलें. आप देखेंगे की 21 दिन लगातार पाठ करने के बाद आपकी समस्या हल होना शुरू हो जाएगी.

यदि बच्चा आपका कहना नहीं मानता है

प्रत्येक मंगलवार तथा शनिवार रात 8 बजे श्री हनुमान चालीसा का पाठ करें, कुछ ही दिन में बच्चे का स्वभाव बदलेगा और आपकी बात मानने लगेगा.

यदि विदेश में सफलता नहीं मिल रही है

यदि आप विदेश में हैं और आपको सफलता नहीं मिल रही है तो हनुमान चालीसा का प्रतिदिन रात 8.30 बजे पाठ करें और कोशिश करें कि 9 दिन में 108 पाठ पूरे हो जाएं. आप देखेंगे आपको सफलता मिलने लगेगी

इन बातों का रखें ख्याल

1-हनुमान जी की पूजा उपासना करते समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, आपके पूजा का स्थान साफ होना चाहिए

2-हनुमान जी की पूजा के बाद आरती अवश्य करें

3-हनुमान जी को बेसन से बनी मिठाई का भोग लगाएं

4-पूजा के स्थान पर शांति रहे, पूजा के दौरान टीवी ना चलाएं या कोई गीत, संगीत ना बजाएं

5-हनुमान जी का ऐसा चित्र अपने पूजा स्थान पर रखें, जिसमें श्री राम और लक्ष्मण दोनों हों

ब्रह्मचर्य का पालन कर यूं बन सकते हैं महान

एक बार की बात है, स्वामी विवेकानन्द अपनी यूरोप यात्रा के दौरान जर्मनी गये थे। वहां कील यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पॉल डयूसन स्वामी विवेकानन्द की अद्भुत याददाश्त देखकर दंग रह गये थे। तब स्वामी जी ने रहस्योद्घाटन करते हुए कहा था: ब्रह्मचर्य के पालन से मन की एकाग्रता हासिल की जा सकती है और मन की एकाग्रता सिद्ध हो जाये तो फिर अन्य शक्तियां भी अपने-आप विकसित होने लगती हैं।

उन्होंने आगे कहा, ब्रह्मचर्य का ऊंचे में ऊंचा अर्थ यही है: ब्रह्म में विचरण करना। जो ब्रह्म में विचरण करे, जिसमें जीवभाव न बचे वही ब्रह्मचारी है। जो मैं हूं वही ब्रह्म है और जो ब्रह्म है वही मैं हूं.... ऐसा अनुभव जिसे हो जाये वही ब्रह्मचर्य की आखिरी ऊंचाई पर पहुंचा हुआ परमात्मस्वरूप है।

संयम की आवश्यकता सभी को है। चाहे बड़ा वैज्ञानिक हो या दार्शनिक, विद्वान हो या बड़ा उपदेशक, सभी को संयम की जरूरत है। स्वस्थ रहना हो तब भी ब्रह्मचर्य की जरूरत है, सुखी रहना हो तब भी ब्रह्मचर्य की जरूरत है और सम्मानित रहना हो तो भी ब्रह्मचर्य की जरूरत है।

कोई चारों वेद पढ़कर कंठस्थ कर ले एवं उसका अर्थ भी समझ लें, उसके पुण्य को तराजू के एक पलड़े पर रखें और दूसरे पलड़े पर कोई अंगूठा छाप है लेकिन आठ प्रकार के ब्रह्मचर्य से बचा है उसका पुण्य रखे तो ब्रह्मचारी का पलड़ा भारी होगा।

ब्रह्मचर्य ऊंची समझ लाता है। अगर ब्रह्मचर्य नहीं है तो गुरुदेव दिन-रात ब्रह्मज्ञान का उपदेश देते हैं फिर भी नहीं रहता है। जो ब्रह्मचारी रहता है, वह आनंदित रहता है, निर्भीक रहता है, सत्यप्रिय होता है।

मूवी रिव्यू 'सचिन-ए बिलियन ड्रीम्स' क्रिकेट के 'भगवान' का इमोशनल सफर

भोपाल, अजय सिसौदिया (फिल्म समीक्षक)

एक शख्स जो 24 साल तक खेल के मैदान पर रहा हो, जिसकी हर छोटी-बड़ी बात पर दुनिया भर की क्रिकेट मीडिया और क्रिकेट के दीवानो के अलावा उसके अपने देश की पैनी नजर रही हो, जिसका अंतरराष्ट्रीय करियर अब भी लोगों के दिलो-दिमाग में तरोताजा है, उसके बारे में क्या ऐसी कोई बात कह पाना संभव है जिसे उसके चाहने वाले या फिर पत्रकार पहले से न जानते हों?

क्या उसके पीछे या उसके खेल के पीछे पागल किसी दर्शक के लिए आप ऐसी चीज पेश कर सकते हैं जिसमें वह डूब जाए? इन सवालों का उत्तर

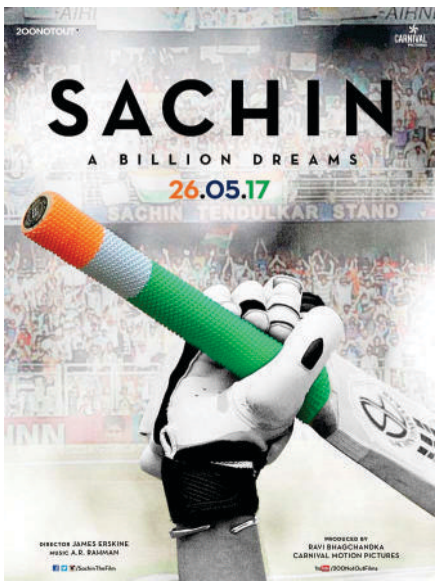

है... हा।

यह फिल्म भारतीय दर्शकों के लिए खास होगी क्योंकि यहां क्रिकेट को धर्म की तरह पूजा जाता है। लेकिन इसके साथ ही यह मैसेज देती है कि सचिन जैसे महान खिलाड़ी केवल धैर्य, तैयारी और कड़ी मेहनत से बनते हैं।

फिल्म में सचिन तेंदुलकर अपनी कहानी खुद बताते हैं. ये फीचर फिल्म नहीं है बल्कि एक डॉक्यु-ड्रामा है जिसमें ज्यादातर रीयल फुटेज का इस्तेमाल किया गया है और यही इस फिल्म को और भी खास बनाता है. सचिन तेंदुलकर के बचपन के कुछ सीन्स को सिर्फ फिल्माया गया है जो कुछ मिनट का है लेकिन उसके बाद सब कुछ वास्तविक है. फिल्म में किसी ना किसी के Voice Over के साथ उन वास्तविक सीन्स को दिखाया गया है.

हमारे देश में लोगों के लिए मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर सिर्फ खिलाड़ी नहीं बल्कि भावना है लोगों के भगवान है. सचिन चुप हैं तो पूरा देश चुप है, अगर सचिन आउट तो इंडिया आउट यहां क्रिकेट का मतलब ही सचिन तेंदुलकर हैं.

इस फील्म में सचिन के पूरे करियर को एक क्रॉनोलोजी में दिखाया गया है जिसे देखते वक्त कहीं भी कन्फ्यूजन नहीं होती है. सिनेमाहॉल में सचिन के मैच का सीन जब आता है तो हर फैन फिर से 'सचिन-सचिन' चिल्लाने लगता है और सीटियां बजती हैं.

ये डॉक्यु-ड्रामा है लेकिन इतने बेहतरीन तरीके से बनाया गया है कि दो घंटे 20 मिनट की फिल्म में आप कहीं भी बोर नहीं होते हैं. इसे देखते वक्त आप सचिन के साथ हसेंगे भी और उनके साथ रोएंगे भी. इसे एक इमोशनल टच दिया गया है जिसमें से कोई भी फैन निकलना नहीं चाहेगा. फिल्म के आखिर में सचिन के रिटायरमेंट की स्पीच को इस तरीके से दिखाया गया है कि रोंगटे खड़े हो जाते हैं.

फिल्म देखकर भावुक हुए अमिताभ ने कहा कि यह फिल्म देश के हर नागरिक को दिखानी चाहिए। इतना ही नहीं स्कूलों में बच्चों को भी यह फिल्म दिखाई जानी चाहिए। अमिताभ ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह उस देश में रहते हैं जहां सचिन जैसा महान क्रिकेटर रहता है।

एआर रहमान ने फिल्म में लाज़वाब संगीत दिया है। फिल्म की पटकथा लेखक शिवकुमार अनंथ, जेम्स एरस्किन ने लिखी है। बता दें कि फिल्म को हिन्दी के साथ अंग्रेजी, तेलुगू, तमिल और मराठी भाषा में भी रिलीज किया है।

जिस तरीके से कभी खेल तो कभी पर्सनल लाइफ को एक साथ जोड़कर डायरेक्टर जेम्स अर्सकाइन ने मास्टर ब्लास्टर का पूरा सफर दिखाया है वो हिंदी सिनेमा में एक नया चलन भी शुरू कर सकता है. अब तक तो यही चलन है कि किसी भी स्टार पर हम फीचर फिल्म

बना देते हैं लेकिन यहां रील और रीयल दोनों में हमारे हीरो सचिन तेंदुलकर हैं. आपके लिए ये जानना जरूरी है कि जेम्स को नॉन-फिक्शन बनाने के लिए एमी अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है. इस डॉक्यु ड्रामा के साथ जेम्स ने साबित कर दिया है अगर डॉक्युड्रामा को भी बेहतर ढंग से बनाया जाए तो वो फीचर फिल्म से कम नहीं होगी.

इस डॉक्यु ड्रामा में ऐसी बहुत सी बातें हैं जो आपने पहले ना देखी होंगी ना सुनी होंगी। आप सचिन के फैन हो या ना हों, आप क्रिकेट पसंद करते हों या फिर ना करते हों, लेकिन जिस खिलाड़ी ने आपको गौरवान्वित होने के इतने मौके दिए उसके लिए आपको ये फिल्म जरूर देखनी चाहिए। मैं इस एक्सेप्शनल फिल्म को 5 में से 4 स्टार देता हूँ।

न्यूजीलैंड मैच, दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला

बर्मिंघम। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में शुक्रवार को ऑस् ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया मैच बारिश की भेंट चढ़ गया और दोनों ही टीमों को एक-एक अंक बांटना पड़ा. मैच में बारिश के कारण खेल कई बार रोकना पड़ा. पहले आई बारिश के कारण इस मैच को 46-46 ओवर का करना पड़ा. मैच में न्यूजीलैंड टीम 45 ओवर में 291 रन बनाकर आउट हो गई. न्यूजीलैंड की पारी के तुरंत बाद बारिश फिर शुरू हो गई. इस कारण ऑस्ट्रेलिया के लिए लक्ष्य पुनर्निर्धारित किया गया.ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 33 ओवर में 235 रन का लक्ष्य दिया गया. ऑस्ट्रेलिया का स्कोर जब 9 ओवर में तीन विकेट पर 53 रन था तभी बारिश फिर शुरू हो गई. इसके कारण मैच रद्द करना पड़ा. वैसे यह मैच न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन के शानदार शतक (100रन) और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड की शानदार गेंदबाजी (52/6) के लिए भी याद रखा जाएगा. मैच में तीन बार बारिश आई और खेलने की स्थिति न बनती देखकर अंपायरों ने मैच रद्द कर दिया. गौरतलब है कि. 2013 के चैम्पियंस ट्रॉफी मैच में इसी मैदान पर इन्हीं दो टीमों का मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)